दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश में प्रसारित हरियाणा का हिन्दी दैनिक

सत्यजय टाईम्स

वर्ष-12, अंक-249 शनिवार 09 सितंबर, 2023, पृष्ठ 8, मूल्य 2 रुपये (फरीदाबाद से प्रकाशित) प्रातःकालीन संस्करण हिन्दी दैनिक

RNI NO HARHIN/2012/43543 Ph. 0129- 4042533, Email: sjtfaridabad@gmail.com @SatyajayT satyajaytimes

ढाई आखर के तहत पत्र लेखन प्रतियोगिता आयोजित

बल्लभगढ़, 08 सितंबर, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोड़ा। शुक्रवार को पारंपरिक और आधुनिक संचार के अनूठे मिश्रण में, अग्रवाल कॉलेज के छात्रों ने प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत गुप्ता के निर्देशन में कॉलेज के अंग्रेजी भाषा क्लब और युवा महिला लेखक क्लब द्वारा आयोजित "नए भारत के लिए डिजिटल भारत" विषय पर एक पत्र लेखन प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह प्रतियोगिता भारतीय डाक विभाग की पहल 'ढाई आखर' के तहत आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हस्तलिखित संचार की कला को संरक्षित करते हुए भारत के डिजिटल परिवर्तन का जश्न मनाना था।

पत्र लेखन प्रतियोगिता में हिस्सा लेते छात्र-छात्राएं।
छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

डिजिटलीकरण में वृद्धि के साथ, हस्तलिखित पत्र अभिव्यक्ति का एक दुर्लभ रूप बन गए हैं। हालाँकि, आयोजक टीम ने उनके स्थायी आकर्षण को पहचाना और छात्रों को भारत की प्रगति पर डिजिटल प्रौद्योगिकियों के प्रभाव को प्रतिबिंबित करने के लिए प्रोत्साहित करके पुराने और नए को जोड़ने का फैसला किया।

प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रतिक्रिया देखी गई, जिसमें 25 प्रतिभागियों ने सारगर्भित पत्र प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने न केवल प्रतियोगिता के विषय को अपनाया बल्कि "डिजिटल इंडिया" के व्यापक विषय के भीतर कई विषयों को संबोधित करते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया। छात्रों ने ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल पहल की परिवर्तनकारी शक्ति पर विचार किया। उनके पत्र में चर्चा की गई कि कैसे डिजिटल प्रौद्योगिकियां शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाट रही हैं, किसानों को सशक्त बना रही हैं और दूरदराज के गांवों में शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच में सुधार कर रही हैं। अपने पत्रों में, उन्होंने व्यक्तिगत संबंधों पर डिजिटल युग के प्रभाव पर गहराई से विचार करते हुए अधिक आत्मनिरीक्षण दृष्टिकोण अपनाया। उन्होंने विचार किया कि क्या त्वरित संदेश और सोशल मीडिया कनेक्शन की सुविधा ने मानवीय संबंधों की गहराई को कम कर दिया है।

न्यायाधीशों के पैनल, जिसमें प्रौद्योगिकी, साहित्य और संस्कृति के विशेषज्ञ शामिल थे, को उनकी साक्षी और उनकी लिखावट की कलात्मकता दोनों को पहचानते हुए विजेताओं का चयन करने में एक चुनौतीपूर्ण कार्य का सामना करना पड़ा। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य ने कहा कि इस प्रतियोगिता ने परंपरा को नवीनता के साथ खूबसूरती से जोड़ा है। इसने हमें याद दिलाया कि जब हम डिजिटल इंडिया को अपनाते हैं, तो हमें संचार के सार को कभी नहीं भूलना चाहिए। सुश्री कमल टंडन ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. सीता ने कहा कि प्रतियोगिता ने समय पर याद दिलाया कि प्रौद्योगिकी के तेजी से विकास के बीच, कुछ परंपराएं संरक्षित करने लायक हैं। हस्तलिखित पत्र, जो कभी संचार का प्राथमिक माध्यम थे, आज भी व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के एक अनूठे रूप के रूप में हमारे डिजिटल जीवन में जगह पा सकते हैं। पत्र लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को शीर्ष प्रविष्टियों का परिणाम 11 सितम्बर 2023 घोषित किया जाएगा इस कार्यक्रम में डॉ सारिका, डॉ सुप्रिया और श्री सुभाष ने भाग लिया।